राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30.00 संख्या 2422
जीनियस
सुपरकमांडो ध्रुव
राज रजत वर्ष

संजय गुप्ता पेश करते हैं! राज कॉमिक्स है मेरा जनून!

जीनियस

लेखक	सहयोग	चित्रांकन	इंकिंग	कैलिग्राफी	इफेक्ट	सम्पादक
अभिषेक सागर	मंदार, अनुराग	सिद्धार्थ पवार	संजीव	हरीश शर्मा	मोहन प्रभु	मनीष गुप्ता

अरे मां बड़ी भूख लगी है। कहां हैं मेरे परांठे?

कोई परांठे नहीं मिलेंगे, जब किसी को मेरी फिक्र ही नहीं है, तो मैं क्यों अपना खून जलाऊं।

ऐसा किसने कहा? हम तो आपसे बहुत प्यार करते हैं।

हां! एक पति है जो सुबह-सुबह बिना खाए चला जाता है, और एक बेटा है जो दिन-रात आवारा गर्दी करता रहता है।

आत रात निखिल अपनी मां को पागलखाने से छुड़ा ले जाने में सफल हो गया।

तुम सब से अच्छा तो ये आंतकवादी है। देख अपनी मां से कितना प्यार करता है, छुड़ा ले गया।

अरे! ना रे पगले, मैं तो कुछ भी बोलती रहती हूं, पापा का गुस्सा तुझपे उतार दिया, तू नहीं निकलेगा तो लोग चैन से सोएंगे कैसे।

बैठ मैं तेरे लिए गर्मागर्म परांठे लाती हूं।

आज की दूसरी बड़ी खबर! कल रात 6 आर्मी ऑफिसर्स का बड़ी बेदर्दी से कत्ल कर दिया गया। हत्यारा खुद को जीनियस कहता है। दिल्ली पुलिस के प्रवक्ता ने हमें बताया कि वो नकाबपोश हत्यारा कई अत्याधुनिक गैजेट्स से लैस था।

उसका सूट भी हाईटेक था जिस पर गोलियों का असर नहीं हो पा रहा था।

परांठे तैयार हैं ध्रुव टेबल पर रख दिए हैं।

आया माँ।

दिल्ली पुलिस का दावा है कि वो उसे जल्द ही पकड़ लेगी।

खा ले बेटा। परांठे ठंडे हो जाएंगे। मैं अपने लिए भी ले आई। आ जा साथ खा लेते हैं।

ओफ्फ! ये बाप बेटे बिलकुल एक जैसे हैं। मेरी ही मति मारी गई थी जो मैंने उसे न्यूज दिखा दी।

पुलिस हेडक्वार्टर- राजनगर।

हैलो कमिश्नर! मैं राघवन, बटालियन 82 का चीफ! कुख्यात टेररिस्ट निखिल द्वारा अपनी माँ को छुड़ा ले जाने वाली न्यूज तो आपने सुनी ही होगी। मैं नहीं चाहता कि ऐसा कुछ अदिती के साथ हो इसलिए उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी मैं खुद लेना चाहूंगा।

मिस्टर राघवन! अगर आप ये कहना चाहते हैं कि राजनगर की पुलिस निकम्मी है। तो मुझे इस पर ऐतराज है।

वैसे भी मैंने बटालियन 82 जैसी किसी बटालियन का नाम नहीं सुना! क्या आप मुझे अपना प्रमाण पत्र दिखा सकते हैं।

मुझे ऊंची नाक वाले लोग बहुत पसंद हैं कमिश्नर। हम भारत सरकार द्वारा गठित एक खुफिया संस्थान के लिए काम करते हैं। हमें आतंकवाद पर काबू पाने के लिए बनाया गया है। इन कागजों को देखकर शायद आपको यकीन हो जाएगा।

कागजात तो मैं देख लूंगा, बट आर्मी को निखिल में इतनी दिलचस्पी क्यों है? ये काम हम भी कर सकते हैं।

अटेंशन ऑल युनिट्स! हम पर हवाई हमला हुआ है AIR UNIT हरकत में आएं।

हमारे रेडार्स कुछ भी ट्रेस नहीं कर पा रहे हैं सर! क्या आप बता सकते हैं कि वो विमान कितना बड़ा है।

वो विमान नहीं इंसान है बेवकूफ, राडार को भूल जाओ। आंखों से देखो और थोड़ा नीचे आ जाओ।

ग्राउंड युनिट्स हमला करो! शूट हिम डाउन!

स...सर वो हमारी तरफ बम फेंक रहा है।

हे राम! ये क्या है।

वो बम फटा नहीं। और... ये सिक्योरिटी कहां गायब हो गई?

उपर देखिए सर! उसने एक बम और फेंका है।

लेकिन असली सिक्योरिटी भी आ गई है।

राजनगर का बच्चा-बच्चा जानता है कि राजनगर में सिक्योरिटी की गारंटी सिर्फ एक ही शख्स देता है।

सुपर कमांडो ध्रुव।
प्रधानमंत्री की यात्रा वो भी बिना किसी हंगामे के, शांति से हो जाए संभव ही नहीं। पापा से परमीशन लेकर इस यात्रा पर नजर रखना बेकार नहीं गया।

पता नहीं बम कितना पॉवरफुल होगा। पर जितना भी हो, इस लेक में फटने के बाद किसी का नुकसान नहीं करेगा।

"अब जरा हमलावर की खबर ली जाए।"
हमने उसे ढूंढ लिया है सर। वो हमारे निशाने पर है। क्या ऑर्डर्स हैं?
शूट हिम!

वो बचते हुए नीचे जा रहा है! हम इमारतों के बीच प्लेन नहीं उड़ा सकते।
ठीक है हम नीचे तैयार हैं! नीचे उतर कर भी वो बच नहीं पाएगा।
सभी एयर युनिट्स गश्त जारी रखें!

कुछ गड़बड़ है। और...और ये अचानक प्लेन का FUEL INDICATOR तेजी से ZERO की ओर क्यों जा रहा है?
FUEL

क्योंकि तुम्हारे फ्यूल टैंक में छेद हो गया है। अपने आकाओं से बोलो की सस्ते और घटिया विमान खरीदना बंद करें।
OH NO! GENIUS यहीं है और उसने सभी प्लेन के फ्यूल टैंक्स में छेद कर दिया है। प्लेन CARSH होने से कोई नहीं रोक सकता। जान बचाने के लिए होना होगा...
"इजैक्ट!"
हाहाहा! जीनियस को पकड़ने चले थे अगर जीनियस को इतनी आसानी से पकड़ा जा सकता तो उसे जीनियस कौन कहता।
आऽऽऽह!!!
धड़ाक
मुझे अफसोस है कि मेरी एक छोटी सी हरकत से इस ऑफिस का इतना नुक्सान हुआ...
ऑफिस के OWNER को समझाना थोड़ा मुश्किल होगा...
...पर सच्चाई जानने के बाद शायद वो मेरी इस हरकत पर नाराज ना हो!
ध्रुव! जानता था! तुमसे मुलाकात जरूर होगी! और तुमसे मिलने की बहुत इच्छा भी थी!
आखिर तुम्हें भी लोगों ने GENIUS की उपाधि दे रखी है!

हां। वो उनका प्यार है मेरे प्रति! पर मुझसे मिलकर खुशी तो तुम्हें किसी हाल में नहीं हुई होगी!
पर चलो अब मुलाकात हुई है तो थोड़ी जान पहचान बढ़ाते हैं और आराम से बैठकर बात करने के लिए नारका जेल से बढ़िया जगह मेरी नजर में तो नहीं है!
तुम्हारी नजर में है?

हां है। पर अफसोस वहाँ तुम्हे अकेले ही जाना होगा। और उस जगह का नाम नारका नहीं...

...नरक है!

आऊ! बहुत जोरदार वार था। मुझे तो लगा था इसे स्ट्रेचर पर ले जाना होगा पर इसका घूंसा खाने के बाद लगता है कि स्ट्रेचर की जरूरत शायद मुझे पड़ जाए।

ओ ओ! तुम तो बच गए। उम्मीद है अपनी गलतियों से सबक लोगे और मेरा रास्ता काटने से...

...बाज आओगे SSS
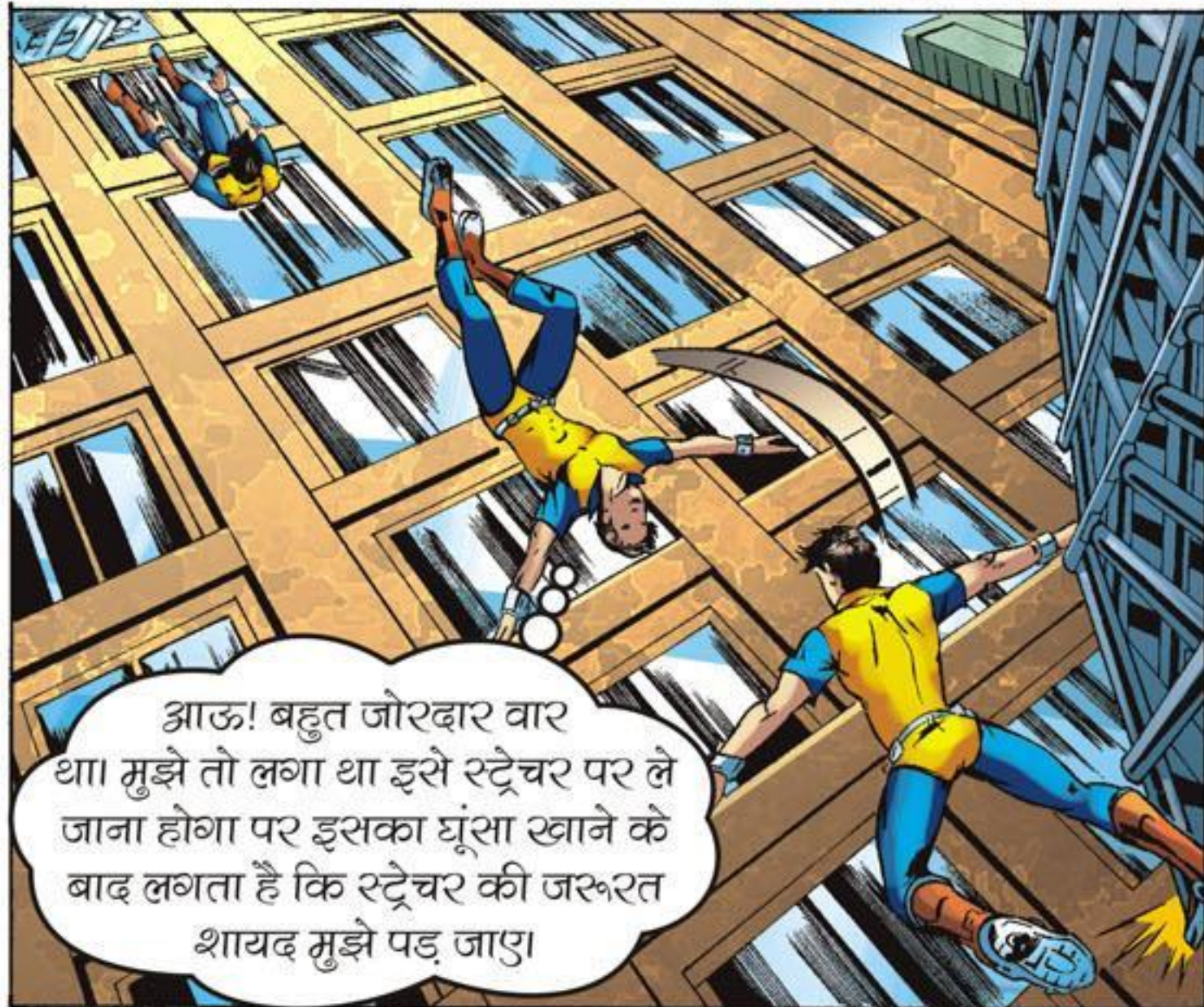
तुम बाज नहीं आओगे।
चीं चीं चीं!
ओफ्फ ये ध्रुव तो हाथ धोकर पीछे पड़ गया है। मैं चाहता तो नहीं था पर लगता है अब आर या पार की लड़ाई लड़नी ही होगी।
आज एक जीनियस का सामना एक जीनियस से हुआ था।
तुमने मेरे सामने कोई रास्ता नहीं छोड़ा ध्रुव! अब अपनी हालत के जिम्मेदार तुम खुद होगे।
कटर एक्टीवेट।
उफ! बाल-बाल बचा। जीनियस तो इलेक्ट्रोनिक्स के मामले में श्वेता को भी फेल कर देगा।
बेकार ट्रिक! ये जीनियस का सुदर्शन चक्र है ध्रुव! उसे पता है किस पर और कैसे वार करना है।
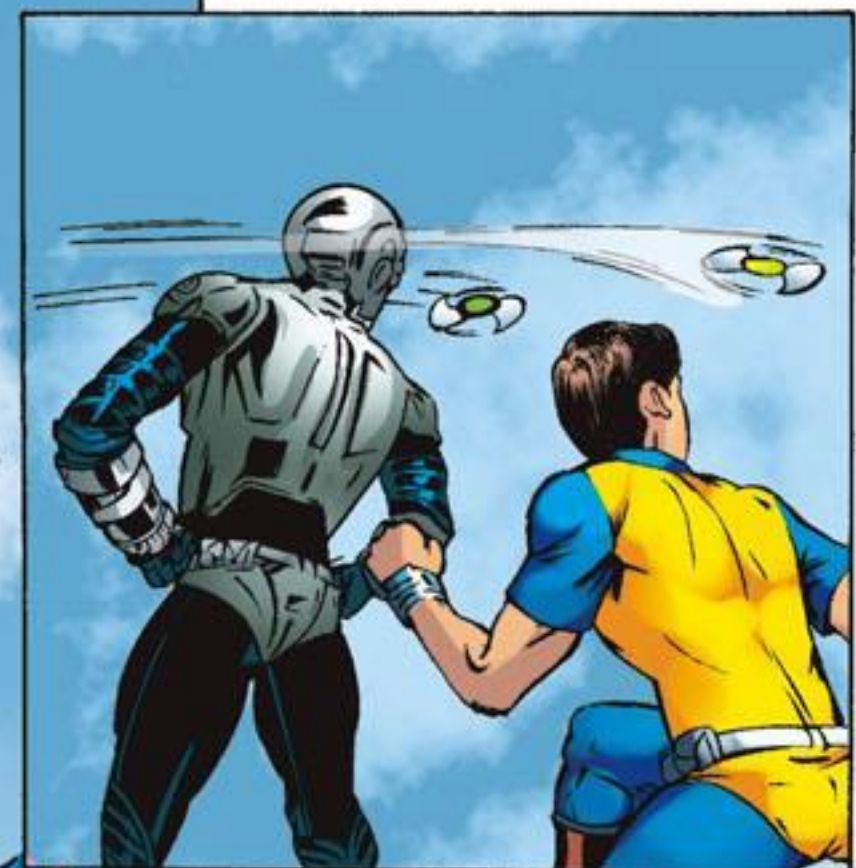
सुदर्शन! भगवान बनने की कोशिश तो अच्छी है तुम्हारी पर अफसोस कि तुम्हारे CUTTERS सुदर्शन चक्र की तरह अजेय नहीं हैं।

तुम्हारे हाईटेक CUTTERS को तो मेरे मामूली ब्लेड्स ने नष्ट कर दिया! अब बारी तुम्हारी है! आउउफ!ये क्या था? FORCE FIELD.

लगता है तुमने मुझे सिर्फ नाम का जीनियस समझ लिया ! चलो तुम्हारा ये भ्रम दूर करता हूं!

फोर्स फील्ड अचानक कहां से आ गई?
जहां तक मुझे ध्यान है जब मैंने स्टार लाईन इसके पैर पर लपेटी थी तब फोर्स फील्ड नहीं थी! चेक करना होगा!

हाहा! तुमसे मुझे ऐसी ही उम्मीद थी। और तुम्हें लोग जीनियस कहते हैं। फोर्स फील्ड के रहते मुझे कोई छू भी नहीं सकता!

बचपन में ENGLISH READER में एक POEM पढ़ी थी! IF YOU DON'T SUCCEED. TRY AGAIN AND AGAIN.
हाहा! लगता है घूंसे ने तुम्हारा दिमाग घुमा दिया है! पहले ब्लेड्स और अब ये तुच्छ स्टार लाईन! और इस बार तुम्हारा निशाना भी चूक गया!

हां! लगता है तुम्हारे घूंसे ने वाकई मेरा दिमाग घुमा दिया है! वर्ना ऐसी बचकानी हरकत मैंने कभी नहीं की! पर कभी-कभी बचकानी हरकत भी...

कारगर सिद्ध होती है!
आSSSह

तुम लाख जीनियस सही! पर अभी कच्चे हो! अपनी फोर्स फील्ड को तुम हमेशा एक्टिव नही रख सकते! क्योंकि इतने GADGETS चलाने के लिए तुम्हारा POWER SOURCE LIMITED है।
तुम पर स्टार ब्लेड्स यही जानने के लिए फेंके थे कि आखिर तुम फोर्स फील्ड हमेशा एक्टिव रखते हो या तभी जब जरूरत हो! और तुम फंस गए! तो बताओ अभी भी तुम अपने आप को जीनियस कहोगे?
नहीं ध्रुव! मैं मान गया तुम ही हो असली जीनियस! मैं तो बस नाम का जीनियस हूं!
ओह! ये तो बच्चा है!
तो चलो अब थोड़ा आराम कर लो। बड़े घर चल कर!
जरूर पर तुम्हारी एक बात हमेशा याद रखूंगा कि...
...बचकानी हरकतें कारगर साबित होती हैं, पर कभी-कभी नहीं! हमेशा!
ओह! पुलिस इस ओर आ रही है! अब तो फोर्स फील्ड भी नहीं रही। भागना ही एक मात्र ऑपशन बचा है।
वो ऊपर है! ध्रुव के साथ उसे इसी बिल्डिंग में देखा गया है।
लगता है भाग गया!
ध्रुव आर यू ओ. के.?
भाग गया नहीं! बोल, उड़ गया। वो देखा।
मझे उसकी तरफ से इतना असावधान नहीं होना चाहिए था! पता नहीं कहां गया होगा। पर ऐसा लगा मैंने उसे पहले भी कहीं देखा है।
सर वो भाग गया है! यहां सिर्फ ध्रुव ही है!... नहीं वो भी उसे नहीं रोक पाए!...ठीक है सर! ओवर एण्ड आउट!
यहां ध्रुव किसी को याद करने की कोशिश कर रहा था!

निखिल के पिता एक मिलिट्री ऑफिसर थे! आतंकवादियों से लड़ते हुए शहीद हुए थे ! उसे लोग जीनियस बुलाते थे क्योंकि दस वर्ष की उम्र में 10 वीं और 12 वर्ष की उम्र में 12 वीं टॉप करने का कारनामा कोई साधारण बच्चा नहीं कर सकता! इतना ही नहीं उसने आई. आई. टी में भी टॉप किया! ये तो थी उसकी ACADEMIC INFORMATION.

उसका आपराधिक ब्यौरा इससे भी चौंकाऊ है। एक साल पहले उसे पाकिस्तान से बम तस्करी करते हुए पकड़ा गया! पर वो जेल में ज्यादा दिन नहीं टिका! पिछले दो महीनों से पुलिस और आर्मी उसे ढूंढ़ती फिर रही है। उस पर दस लाख का इनाम है।

निखिल के पास भारत की संवेदनशील जानकारियां हैं! रिश्तेदारों के नाम पर उसकी मां है जो अपना मानसिक संतुलन खो बैठी है जिसे निखिल अभी-अभी छुड़ा ले गया! और उसकी एक दोस्त है अदिती जो राजनगर पुलिस में इस्पेक्टर पारिजात कुशवाहा की बेटी है।

हुम्म्म! इनट्रेसटिंग। एक चौदह साल का बच्चा इतना शातिर अपराधी बन गया है! और इस डाटा बेस में एक बात और जुड़नी चाहिए कि उसने जीनियस के रूप में पी.एम. पर भी हमला किया!

पर क्यों? पता नहीं उस का अगला स्टेप क्या होगा? क्योंकि अपनी योजना इस तरह खटाई में पड़ने के बाद कम से कम वो चुप तो नहीं बैठेगा! पता नहीं...

"इस वक्त वो कहां होगा और क्या प्लानिंग कर रहा होगा?"
स्प्रिंकलर ने मेरा काम काफी आसान कर दिया है। उम्मीद है मैं जब राघवन अंकल से मिलूंगा तो हमें डिस्टर्ब करने वाला कोई तीसरा नहीं होगा।
बहुत गहरी नींद में है कमीना। अब हमेशा के लिए सो जाएगा!
कैसे हो निखिल बेटे!
अब तक जिंदा हूं कमीने। और तुझे लाश में बदले बगैर मरूंगा भी नहीं!
हा हा हा! मुझे तुम बच्चों की यही बात बहुत हंसाती है। मौत के मुंह में खड़े हो और मौत की धमकी दे रहे हो।
अगर तुम मुझे इन गार्ड्स की धमकी दे रहे हो तो तुम्हे बता दूं कि ये मेरे सामने चींटी की औकात भी नहीं रखते।
तुम्हारे लिए बेशक नहीं रखते होंगे। लेकिन तुम्हारी मां के बारे में तुम्हारा क्या खयाल है?
मां? क...कहां है मेरी मां? बता कमीने।
हा हा हा! तुम्हे पकड़ना कितना आसान था ये मुझे दो महीने बाद पता चला। बस चारा फेंको मछली हाथ में। चलो सौदा करते हैं तुम्हारी एक चीज मेरे पास है और मेरी एक चीज तुम्हारे पास।
मुझे मेरी चीज लौटा दो। मैं तुम्हे तुम्हारी चीज लौटा दूंगा। बोलो क्या बोलते हो?
हमारे बीच कोई सौदा नहीं हो सकता राघवन।
देखो निखिल! तुम मेरे बेटे जैसे हो इसलिए तुम्हें मौका दे रहा हूं।
तुम्हारे पास तीन घंटे हैं। मेरे सामान सहित सेक्टर 13 हॉल नम्बर छः में पहुंच जाओ या फिर तुम जानते ही हो क्या हो सकता है। MAKE YOUR CHOICE.
GO TO HELL.

सभी POLICE FORCES ALERT. जीनियस ने अभी-अभी कर्नल राघवन को मारने की नाकाम कोशिश की है। वो आर्मी कैंप से सैंट्रल राजनगर की ओर भाग रहा है।
श्वेता के लेटेस्ट आविष्कार को टेस्ट करने का वक्त आ गया लगता है।
टेस्टिंग कहीं और भी चल रही थी।
सारी तैयारियां हो चुकी हैं सर! अगर वो यहां आया तो जिंदा बच कर नहीं जा पाएगा। पर मुझे शक है कि वो यहां आएगा।
वो आएगा अजय! वो जरूर आएगा। वो भी हमारे सामान के साथ।
कर्नल राघवन का विश्वास अति आत्मविश्वास नहीं था।
कम से कम जीनियस की गति से तो यही जाहिर हो रहा था।
वो हमारी पहुंच से काफी बाहर हो रहा है सर उसकी गति काफी तेज है।
तेज गति कभी वरदान बन जाती है तो कभी अभिशाप।
सामने खतरा दिखता है।
फिर भी हम खुद को रोक नहीं पाते।
ध्रुव।
श्वेता का नेटगन काम कर गया।
वेलकम बैक जीनियस उर्फ निखिल। आं आं छूटने की कोशिश मत करना वरना ये जाल और कसता जाएगा। अब ना तो तुम्हारा कंट्रोल पैनल काम करेगा और ना ही वॉयस कमांड। क्योंकि ये जाल चिपचिपी है!
तुम्हारे सारे गैजेट्स अब बेकार हैं। अब तुम एक ही सूरत में छूट सकते हो जब मैं ऐसा चाहूं क्योंकि हमारे अलावा यहां दूर-दूर तक कोई...
राईडर एक्टीवेट।
शियूं

उफ! ऐसा लगा कोई भारी पत्थर सीने से टकराया हो। हड्डियां गईं। अगर ये सारे गोले मुझ पर लग गए होते तो एक भी जोड़ सलामत नहीं बचता।

हीट वेव्स एक्टीवेट।

आज तुझे पता चलेगा ध्रुव की माइक्रोवेव के अंदर मुर्गे को कैसे लगता होगा।

ये वेव तेरे शरीर का ताप बढ़ाती जाएगी और थोड़ी देर में तैयार होगा...

रोस्टेड ध्रुव।

आह! बांSSSS

ओफ्फ

वॉयस कमांड सिर्फ तुझे ही नहीं मुझे भी देनी आती है जीनियस!
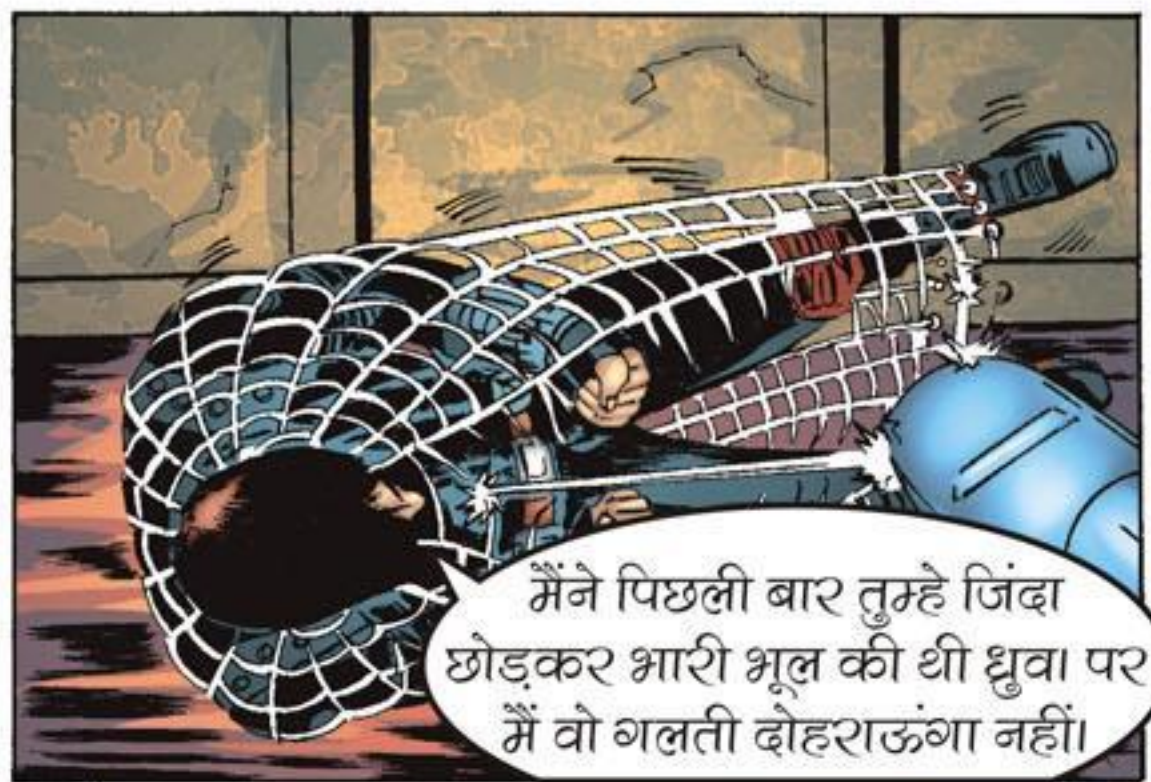
नहीं हूं मैं आतंकवादी।

अगर कोई आतंकवादी है तो वो है राघवन।

हमारे पी.एम, जो ऐसे लोगों को पालते हैं।

हमारी पुलिस, जो डरती है ऐसे लोगों से।

मैं तो एक छोटा सा बच्चा था। जो अपनी पढ़ाई और अपनी मां। बस इसी में खुश था।

मेरी खूबियों ने मुझे जीनियस बना दिया। सब ने जीनियस, जीनियस कहके मुझे सिर पर चढ़ा दिया।

मगर मेरा जीनियस होना ही मेरे लिए अभिशाप बन गया।

इस जीनियस शब्द ने कभी मुझे दोस्त नहीं दिए। या तो प्रशंसक मिले जिनके लिए मैं किसी अजूबे से कम नहीं था।

या फिर जलने वाले मिले जो ये बर्दाश्त नहीं कर पाए कि मैं उनसे ज्यादा कैसे जानता हूं।

मेरा बचपन मुझसे छिन गया ध्रुव!
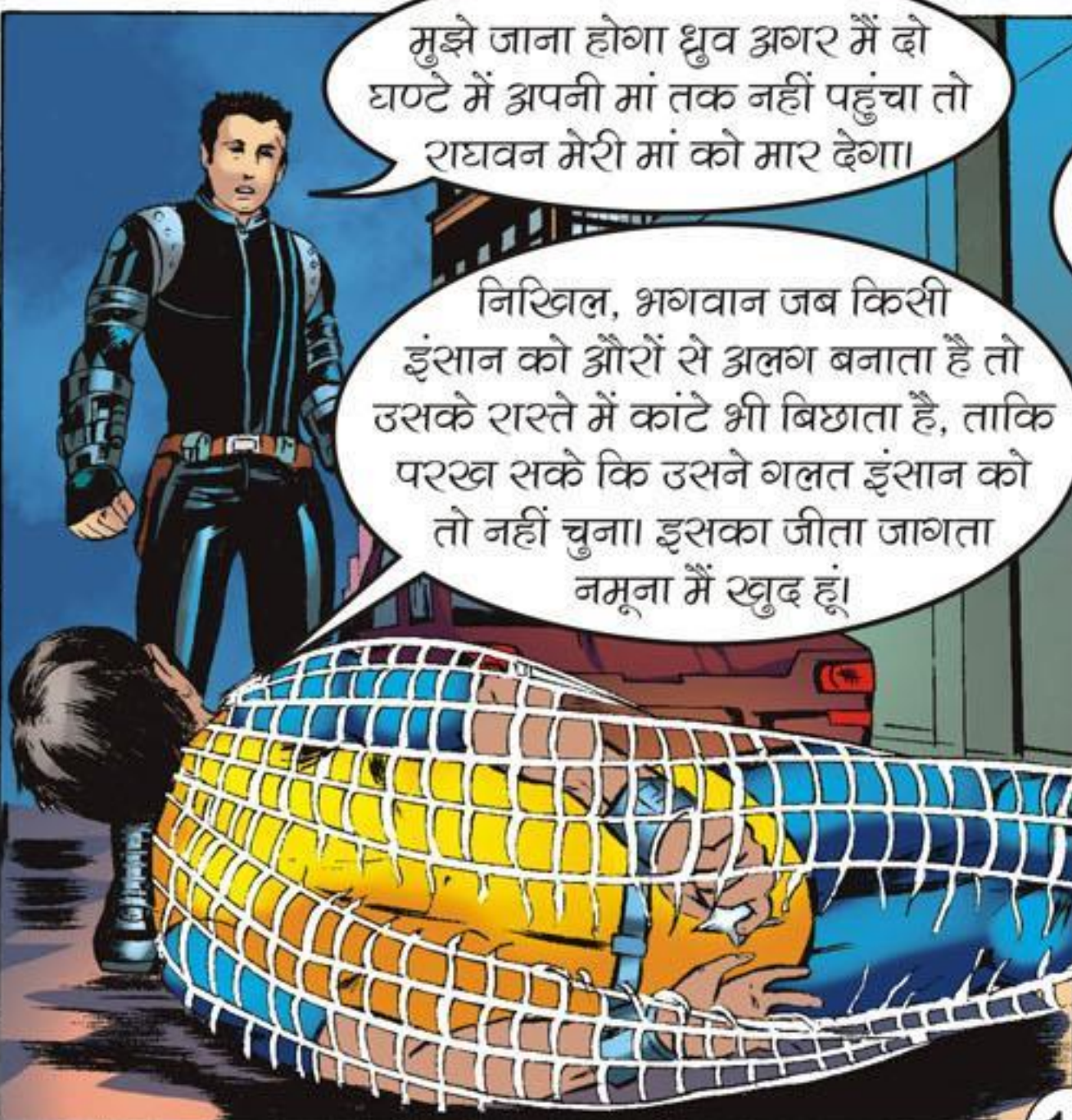
मुझे जाना होगा ध्रुव अगर मैं दो घण्टे में अपनी मां तक नहीं पहुंचा तो राघवन मेरी मां को मार देगा।

निखिल, भगवान जब किसी इंसान को औरों से अलग बनाता है तो उसके रास्ते में कांटे भी बिछाता है, ताकि परख सके कि उसने गलत इंसान को तो नहीं चुना। इसका जीता जागता नमूना मैं खुद हूं।

कहानी में एका-एक ट्विस्ट आ गया है! एक आतंकवादी अचानक से इतना भावुक हो गया! और ये राघवन ने उसकी मां का किडनैप किया हुआ है? ये कैसे संभव है?

पापा ने बताया था राघवन बटालियन 82 का चीफ है! वो भला निखिल की मां का अपहरण क्यों करेगा?

या तो पर्दे के पीछे कुछ ऐसा है जिसे जानना जरूरी है। या निखिल मुझे गुमराह करने की कोशिश कर रहा है।

पर जिस तरह वो कह रहा था मुझे नहीं लगता... ओफ्फ! सब उलझा हुआ है। मामले की तह तक पहुंचना ही होगा और मुझे वहां तक सिर्फ निखिल ही पहुंचा सकता है।

ध्रुव मामले की तह तक जाने की कोशिश में लगा था।

और यहां निखिल पूरा मामला खत्म करना चाह रहा था!

आज फिर आ गई है 26/11.
करोड़ो जिन्दगियां हैं दांव पर
आज फिर दहल जाएगा यह देश,
अगर बजेंगे-
राज रजत वर्ष
8:36

ये रही तुम्हारी मां।
मां!
मत कह मुझे मां। मेरा कोई बेटा नहीं है। मेरा बेटा उसी दिन मर गया था जब उसने आतंकवाद की राह अपनाई थी।

ये क्या कह रही हो मां? मैं आतंकवादी नहीं हूं! मैं तुम्हारा निखिल हूं।
दूर हट मुझसे। नहीं है तू मेरा बेटा!
उफ! ये भावुक दृश्य देख कर मुझे भी अपनी मां की याद आ गई।

बस बहुत हुआ ड्रामा! अब वो बैग मुझे सौंप दो निखिल।

मुझे माफ करना मां! परन्तु तुम्हारी सुरक्षा के लिए ये जरूरी था!
अब अपना हिसाब बराबर करना है!

कटर एक्टीवेट!

तुम्हारी और हमारी सोच काफी मिलती है निखिल! हम भी तुम्हें बैग मिलने के बाद मारने वाले थे! यहां TECHNO JAMMER लगे हैं। तुम्हारी VOICE COMMAND काम नहीं करेगी! और तुम्हे GADGETS ऑपरेट करने का मौका हम देंगे नहीं !
शैल!

शैल! मुझसे इसका दर्द देखा नहीं जा रहा! खत्म कर दो इसे।
जीनियस को अगर इतनी ही आसानी से खत्म किया जा सकता तो...

उसे कोई जीनियस नहीं कहता। ऑफिसर दिलीप शुक्ला।
अब बोलो ऑफिसर! मैं इमारत के बाहर हूं। यहां ना वो तुम्हारा टेक्नो जैमर काम आने वाला है और ना तुम्हारा किराए का पहलवान।
अब क्या करोगे? कैसे मारोगे मुझे?
तुम्हे हम नहीं मारेंगे बच्चे! तुम खुद को मारोगे! बैग और बोर्ड मेरी तरफ उछाल दो और अपनी फोर्स फील्ड को बंद करो वरना...
तुम्हारी मां के बदन में छेद करने से कोई फोर्स फील्ड हमें रोक नहीं पाएगी।
कम ऑन। हरी अप।
लगता है तुम्हें अपनी मां की जान प्यारी नहीं है। शैल इसकी मां की गर्दन...
नहीं SSS
ऐसा मत करना मैं... बैग देता हूं।
फायर।
आह!
उस मासूम ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि उसका अंत इतना भयानक होगा।
ये भयानक तो था पर अंत नहीं।

ध्रुव! आहऽऽ
सॉरी यार! थोड़ा लेट हो गया पर क्या करुं, मैं तुम्हारी तरह फास्ट तो नहीं हूं! पर चलो देर आए दुरुस्त आए।
य...ये तो ध्रुव है। ये यहां कहां से पहुंच गया?
स्टॉप फायरिंग।
सही समय पर पहुंच गया वरना निखिल का तो द एंड का पूरा प्रोग्राम बना डाला था इन लोगों ने। पहले इसे सुरक्षित छोड़ दूं फिर सारा माजरा समझता हूं।
आह! मेरी मां को बचा लो ध्रुव! राघवन मेरी मां को मार डालेगा।
वो उस बिल्डिंग में है।
सर उसने हमें मूर्ख बना दिया। बैग में जंग लगे कलपुर्जों के अलावा कुछ भी नहीं है।
कोई बात नहीं। हमने उस बिल्डिंग को चारों तरफ से घेर लिया है। वो बच कर नहीं भाग पाएगा।
तुमने उसकी मां को हटा दिया है ना?
हां सर! उसकी मां को हमने सुरक्षित ऊपर की तरफ पहुंचा दिया है।
वहां से उसे हेलिकॉप्टर से... आह!

ध्रुव। एक आर्मी ऑफिसर पर हाथ उठाने का अंजाम जानते हो।

आर्मी ऑफिसर किसी की मां का अपहरण नहीं करते।

निखिल की मां कहां है?

तुम्हें निखिल की मां से मिलना है जरूर मिलवाएंगे।

शैल!

अब तुम मुझे बताओगे कि निखिल की मां कहां है!
और इस बार किसी मुस्टंडे को निखिल की मां बनाने की कोशिश मत करना।
वो...ऊपर! मेरे आदमी ह... हेलिकॉप्टर से ले जा रहे हैं।

धाड़.
ध्रुव के लिए वहां अब कोई काम नहीं बचा था।
थैंक्स।
आह!

बड़ाम
ओह नो!

आह!
आह!

ध्रुव के पहुंचने तक खेल खत्म हो चुका था।
ओह नो! देर हो गई, निखिल अपनी मां के साथ निकल गया।

वेलडन माई बॉय। वेरी वेलडन! तुमने आज एक टेररिस्ट की मदद कर देश का नाम ऊंचा किया है।
राघवन...?

अ.आं... मिस्टर राघवन। SHOW SOME RESPECT KID.
या उस आतंकवादी की संगत ने तुम पर भी बुरा असर डाला है।
कौन आतंकी है और कौन नहीं, इसका फैसला जल्द ही होगा... मिस्टर राघवन
और कम से कम तुम्हारे मुंह से देशभक्ति की बातें अच्छी नहीं लगतीं।
तुम्हारी बातों से लगता है कि तुम निखिल के बहकावे में आ गए हो ध्रुव!
ग्रो अप! थोड़े बड़े हो जाओ। क्या सही है और क्या गलत ये अभी तुम्हें सीखना है मगर...
बच्चे जिद्दी होते हैं। इसलिए तुम्हें जो करना है शौक से करो पर इस चक्कर में देश का अहित मत कर बैठना।
मशविरे के लिए शुक्रिया... मिस्टर राघवन।
यू आर मोस्ट वेलकम किड!
तुम पागल हो गए हो ध्रुव? आखिर क्या सोचकर तुमने उसे भागने दिया?
तुम अच्छी तरह जानते हो तुम्हारी हर एक्टीविटी की जवाबदेही मुझसे मांगी जाती है। उन्होंने मुझसे तुम्हारा अरेस्ट वॉरेन्ट मांगा है।
मैंने किसी आतंकवादी की मदद नहीं की पापा। जीनियस और निखिल एक ही शख्स है। पर निखिल से जीनियस बनने की कहानी कोई नहीं जानता।
और जो बम उसने फेंका था वो क्या था... पटाखा।
निखिल को किसी बड़ी साजिश में फंसाया जा रहा है! उसने पी.एम. पर जो बम फेंका था असल में वो उनके लिए संदेश था!
तुम कुछ भी कह लो ध्रुव! अभी तुम्हारी बात को कोई सच नहीं मानेगा! सारे सबूत जीनियस और अब तुम्हारे भी खिलाफ हैं!
तुम्हे मांफी मांगनी होगी। वरना तुम्हारी गिरफ्तारी को मैं भी नहीं रोक पाऊंगा।

क्यों डांट रहे हो मेरे बेटे को? मुझे यकीन है मेरे बेटे ने कुछ गलत नहीं किया होगा!
इसने ऐसा किया है रजनी। लो देख लो अपनी आंखों से।
क्या हो गया है हमारे ध्रुव को? कल तक अपराधियों को रोकने वाला, आज एक आतंकवादी को ना सिर्फ बचा रहा है बल्कि भागने में भी उसकी मदद कर रहा है!
हमारे पास EXCLUSIVE तस्वीरें हैं किस तरह ध्रुव ने जीनियस की जान बचाई। इस दौरान ध्रुव ने आर्मी ऑफिसर पर हमला भी किया!
आइए सुनते हैं कर्नल राघवन का इस सब पर क्या कहना है!
वैल! ध्रुव को गलतफहमी है! BASICALY, HE IS STILL A KID. ध्रुव एक बच्चा है। ध्रुव एक शातिर आतंकवादी के बहकावे में आ गया है। और इसी वजह से खुद को सही साबित करने के लिए जिद्दी हो गया है!
इसकी वजह कुछ हद तक ध्रुव के पिता का कमिश्नर होना भी है। पर ये वजह ध्रुव के किसी काम नहीं आने वाली! ध्रुव ने अगर फिर से कोई गड़बड़ की तो ध्रुव को पुलिस कस्टडी में लेना ही होगा। हमने ध्रुव की गिरफ्तारी के लिए राजनगर की पुलिस से अरेस्ट वॉरेन्ट भी मांगा है।
मैं नहीं मानती! इन टी.वी. वालों को तो न्यूज चाहिए! टी. आर.पी. बढ़ाने के लिए नमक मिर्च लगाकर बताते हैं। जरूर कोई वजह रही होगी जो इसने निखिल को बचाया!
आइए जानते हैं! इस बारे में जनता का क्या कहना है।
मैंने कुछ गलत नहीं किया पापा! जल्द ही मैं ये साबित कर दूंगा।

"इससे उसका घमंड छलकता है।"
"कमिश्नर का बेटा है ना, कोई क्या बिगाड़ लेगा"

कहीं पर-
मुझे माफ कर दे मेरे बच्चे! मैंने तुझे गलत समझा! औरों के बहकावे में आ गई थी मैं!
मेरे पास कोई रास्ता नहीं था मां। दुश्मन ने मेरे लिए कोई रास्ता छोड़ा ही नहीं! मैं मजबूर हूं।

उन्हें जो भाषा समझ आती है मैं उन्हें उसी भाषा में समझा रहा हूं।
तेरे साथ बहुत बुरा हुआ निखिल! पर जो तू कर रहा है वह ठीक नहीं है! बुरे लोगों को खत्म करने के लिए तू खुद बुरा क्यों बन रहा है? बंद कर दे ये सब।

बुराई को बुराई से ही खत्म किया जा सकता है मां! ये कलियुग है! यहां रावण को मारने के लिए भी रावण बनना पड़ता है।
तू हत्यारा बन गया है निखिल।
नहीं मां! मैं हत्यारा नहीं हूं। उन लोगों को मार कर मैंने कोई पाप नहीं किया। वो लोग इसी लायक थे!

नहीं। तू वो निखिल नहीं रहा! तू जीनियस बन गया है। वो निखिल मर गया है जो आतंकवादियों से नफरत करता था! ना सिर्फ आतंकवादियों से बल्कि आतंकवाद के शब्द से नफरत करता था! कहां गया वो निखिल?
भूल गया तू कि तेरे पिता को हमसे दूर इसी शब्द ने किया था?

पर आज तू खुद एक आतंकवादी बन गया है।
मां तुम भी...?

तू खुद सोच निखिल तू आखिर कर क्या रहा है?
तुझे चाहिए क्या?

मुझे कुछ नहीं चाहिए मां! बस जो धोखा मेरे साथ हुआ उसका बदला लेना है! ताकि फिर कोई निखिल जीनियस बनने पर मजबूर ना हो।

बदले की भावना में जलेगा तो अपने साथ अपने आस पास के लोगों को भी अपने से दूर करता जाएगा निखिल!
सरेन्डर कर दे! कानून तुझे जरूर माफ कर देगा!
करूंगा मां, सरेंडर भी करूंगा पर अभी वक्त नहीं आया।
"अब वो वक्त आ गया है करीम...।"
सच की तह तक पहुंचना ही है! मुझे बटालियन 82 और राघवन की पूरी फैक्ट फाईल चाहिए!
ओ.के. कैप्टन नोट करो।...
राघवन और निखिल के इतिहास को भी जानना है। आखिर क्या है इनकी दुश्मनी की वजह? निखिल कितना सच बोल रहा है यह जाने बिना मैं चैन से नहीं बैठ सकता!
और हां। मुझे निखिल की दोस्त अदिती का पता भी चाहिए!
KCP MU
"32C,SIDDHARTH ENCLAVE"
निखिल तुम? तुम्हारा मुझसे इस तरह बात करना खतरे से खाली नहीं है! मेरा फोन टेप हो रहा है।
तुम्हारा फोन पहले भी टेप होता था अदिती बस तुम्हें अभी पता चला है। फिक्र मत करो कुछ नहीं होगा !
तुम ठीक हो ना निखिल? तुम्हे गोली लगी है?
हां! पर चिंता मत करो! इतनी जल्दी नहीं मरूंगा अभी कई अधूरे काम निपटाने हैं! DONT WORRY. I AM PERFECTLY FINE.
क्या DON'T WORRY? तुम्हें पता है मुझे कितनी टेंशन हो गई थी। टेंशन में कम से कम दो बुक खा ली होंगी मैंने!
हाहा! तुम अभी भी टेंशन में पेपर खाती हो? हाहा तुम नहीं बदलीं!
पर तुम बदल गए हो निखिल!
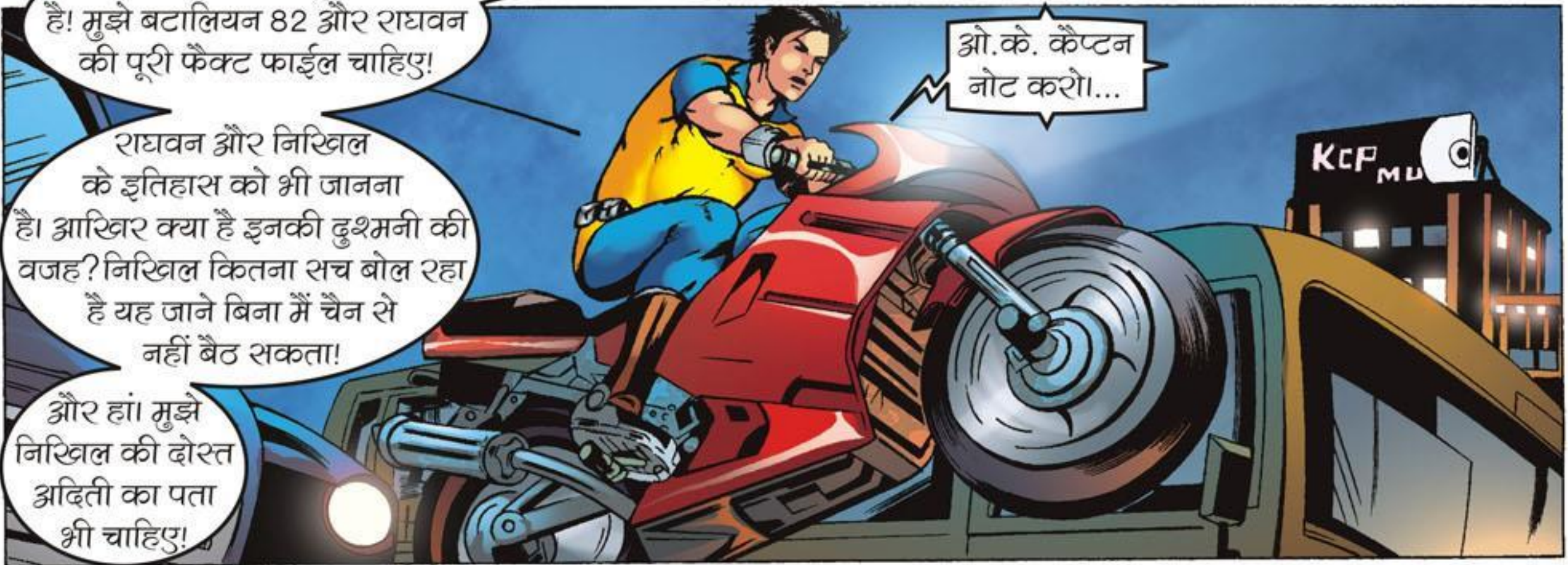
मैं बदल गया हूं?
हां निखिल! तुम बदल गए हो! वो प्यारा सा DUFFAR पढ़ाई में तेज निखिल कहीं खो गया है।
खो गया है मेरा दोस्त निखिल जिसके साथ मैं अपने आपको सुरक्षित महसूस करती थी!
पर अब मुझे तुमसे डर लगता है निखिल।
क्या मुझे मेरा पुराना दोस्त वापस नहीं मिल सकता?
वही मासूम सा निखिल!
तुम सरेन्डर कर दो
मुझे मेरा निखिल लौटा दो निखिल।
सरेन्डर?

बस यही एक आस है। सच्चाई मुझे अब सिर्फ अदिती बता सकती है!
पर यहां तो कड़ी सुरक्षा है! बटालियन 82 के साथ पुलिस भी है!
क्या ये सब निखिल के लिए हैं? ये लोग अदिती को निखिल से मिलने नहीं देना चाहते?

मुझे अदिती से मिलना है।
शरीफ लोग रात में सोते हैं ध्रुव! और ये शरीफों का ही घर है! सुबह आना!

ये मुझसे कुछ छिपा रहा है! पता करना होगा आखिर क्या गड़बड़ है। पर इसके लिए...

"मुझे किसी तरह अंदर जाना होगा"

नर्व गैस का इस्तेमाल करना थोड़ा महंगा सौदा पड़ जाता है! चाहता तो एक पंच में काम चल जाता पर शोर-शराबे से बचने के लिए थोड़ा सा नुक्सान उठाना होगा!
इनको ठिकाने लगा कर...

"घर के अंदर घुसने की कोशिश की जाए।"

क्या सिक्योरिटी है? ये सिर्फ मैं हूं या कोई भी इस सिक्योरिटी को धता बताकर अंदर घुस सकता है!
ए कौन है वहां?
तू नींद में है सत्यम।
यहीं पे था कोई।
नहीं यार जहीर! वो देख झाड़ी हिल रही है! पीछे कोई है!
अभी पता लग जाता है!
म्याऊ SSSSS
ब...बचाओ!!
हाहाहा!
अबे डरपोक! तुझे कमांडो की नौकरी किसने दी! बिल्ली से डर गया! हाहाहा!
च...च...चुप कर सत्यम त...तू होता तो तू भी डर जाता!
क्या हुआ यहां?
क...कुछ नहीं स...सर ये...ब...बिल्ली से डर गया! हाहाहा
सत्यम! तू चुप करेगा!
तुम दोनों चुप करो और अपनी ड्यूटी पर लगो! ये शैंकी कहां गया?
गया होगा शकां मिटाने सर!
हाहाहा! जहीर बिल्ली से डर गया! हाहाहा!
बिल्ली मौसी ने बचा लिया! वर्ना वो एक झाड़ी के बाद दूसरी झाड़ी को चैक करने के लिए जरूर आता! जय हो बिल्ली मौसी की।

कमाल है! बाहर इतनी सुरक्षा और अंदर सुरक्षा का 'स' भी नजर नहीं आ रहा !
या तो यहां सुरक्षा लगाई ही नहीं गई या अभी- अभी हटाई गई है!

अब यहां अदिती का कमरा कौन... ओह ये कागज कैसा?
इसे पहले भी कोई पढ़ चुका है
पापा मैं निखिल से मिलने काली पहाड़ी जा रहीं हूं! जल्द ही लौट आऊंगी मेरी चिंता मत कीजिएगा!- अदिती
हां सर जैसा आपने सोचा था वैसा ही हो रहा है।...

वो काली पहाड़ी जा रही है निखिल से मिलने!
ओह। सब कुछ प्री प्लान्ड था।
निखिल और अदिती दोनों मुसीबत में हैं।

सभी युनिट्स तुरंत काली पहाड़ी पहुंचें।
मुझे जल्द से जल्द काली पहाड़ी पहुंचना होगा!...

"बटालियन 82 के वहां पहुंचने से पहले"
गाड़ी तेज चलाओ! काली पहाड़ी पहुचंना बहुत जरूरी है! जल्दी...

"इस बार वो हाथ से छूटना नहीं चाहिए"
भैया! जरा वो सबसे बड़ा बुके देना

पापा आप तुरंत पुलिस लेकर काली पहाड़ी पहुंच जाईए!...
अभी मैं आपके किसी सवाल का जवाब नहीं दे सकता। आप बस आ जाइए। आपके सारे सवालों के जवाब वहीं मिल जाएंगे! PLEASE QUICK!
RAJ NAGAR

क्या हुआ भैया? आगे ट्रैफिक जाम क्यों है?
अरे! का बताएं भईया! आगे कौनो कंटेनर पलट गवा है! दुई घंटे से इहां फसे हुए हैं!
ध्रुव को पहुचने में देर होने वाली थी।

और किसी की देरी किसी की जान लिए जा रही थी!
तुम इस बार भी नहीं आए निखिल हर बार की तरह इस बार भी मायूस कर दोगे?

ओह! सिर्फ पांच मिनट बचे हैं। इस बार मैं अदिती को नाराज होने का मौका नहीं दूंगा!
रुक जाओ निखिल तुम्हें अदिती से नहीं मिलना चाहिए!

ध्रुव! तुम यहां!
अब मैंने क्या कर दिया?
अदिती से क्यों नहीं मिल सकता मैं?
ये सब तुम्हें फंसाने का ट्रैप है निखिल!
बटालियन 82 किसी भी समय वहां पहुंचती होगी!
बस तुम्हें कुछ देर यहां रुकना होगा! जब तक पुलिस फोर्स भी यहां आ नहीं जाती!

मैं नहीं चाहता बटालियन 82 तुम्हें गिरफ्तार कर ले जाए! मैं सच्चाई जानना चाहता हूं, जो तुम मुझे बताओगे! क्यों लगी है बटालियन 82 तुम्हारे पीछे! सिर्फ तुम्हारा आतंकवादी होना कारण नहीं है! कारण कुछ और भी है।
मुझे अब किसी से डरने की जरूरत नहीं है ध्रुव! ना ही बटालियन 82 से! ना पुलिस से और ना तुम से!
मैं अदिती से मिलने के बाद सरेन्डर करने वाला हूं!

तुम्हारे फैसले का स्वागत है निखिल। पर अभी मैं तुम्हे अदिती से मिलने नहीं दे सकता!
मैं तुमसे बहस नहीं करना चाहता ध्रुव! अदिती मेरा इन्तजार कर रही है। आज भी अगर लेट हो गया तो फिर कभी ना मिल पाऊंगा!
मिलने मिलाने का समय खत्म बच्चों!
अब समय है खातिरदारी का! जो हम तुम्हारी करेंगे! तुम दोनों गिरफ्तार किए जाते हो!
तुम बचने और भागने में अपनी एनर्जी खर्च करने की मत सोचना। तुम्हारी जरा सी हलचल तुम्हारे शरीरों को रोशनदान बनाने के लिए काफी होगी!
लो! तुम क्या कम थे, जो बिन बुलाए मेहमान और धमक गए!
लगता है अदिती को आज फिर मायूस होना पड़ेगा।
नहीं ऐसा होने देना मैं एफोर्ड नहीं कर सकता!
मुझे तुम्हारी मदद की जरुरत है ध्रुव!
तैयार हो?
बिलकुल।
पर सबसे पहले इनके हाथ से ये खिलौने छुड़ाने होंगे।
COMMAND
वो काम तुम मुझ पर छोड़ दो!

प्यादे तो पिट गए! अब वजीर की बारी है।

ये तो बड़ी जल्दी हार गए! बिल्कुल भी मजा नहीं आया! कैसे कमांडो भर्ती किए हैं बटालियन 82 में! इन्हें तो कमांडो फोर्स से ट्रेनिंग लेनी चाहिए।
पर निखिल...
मैं जानता हूं ध्रुव तुम मेरी भलाई चाहते हो! पर चिंता न करो चूहे-बिल्ली का खेल मैं महीनों से खेल रहा हूं अभी तक बिल्ली सफल नहीं हो पाई आगे भी नहीं होगी! ट्रस्ट मी!
मदद के लिए शुक्रिया ध्रुव! पर प्लीज एक FAVOR कर दो मुझे अदिति से मिलना है मुझे रोकना मत।

उफ निखिल! तुम आज भी नहीं आए निखिल! क्यों करते हो ऐसा? क्यों रुलाते हो?
अब रुकना बेकार है। मुझे चलना चाहिए।
HI ADITI!
NIKHIL!
ओ निखिल! तुम आ गए!
हां! इस बार समय पर।
तुम्हे पता है कब से वेट कर रहीं हूं! मुझे लगा तुम आज भी नहीं आओगे!
आज तो आना ही था अदिती!
निखिल मैं...
शSSS... शांत! आज तुम कुछ नहीं कहोगी मैं कहूंगा और तुम सुनोगी!
हां
तुम कहती हो ना मैं बदल गया हूं! वो निखिल कहीं खो गया है!
तुम चाहती हो कि तुम्हारा निखिल, वही पुराना निखिल वापस आ जाए?
तो लो मैं आ गया तुम्हारे पास! तुम्हारा वही पुराना निखिल!
हां! अदिती मैने जीनियस को मार दिया है। मैंने सरेन्डर करने का फैसला कर लिया है।
निखिल??
क्या सच? ओ निखिल क्या वाकई में तुम?
हां बाबा सच! मैंने तुम्हें यही बताने के लिए यहां बुलाया था!
पर तुम्हें यहां बुलाने का मुख्य कारण कुछ और भी है! वह ये कि मैं...
तुम्हारे मधुर वार्तालाप के क्षण यहीं खत्म होते हैं निखिल!...

तुम्हे चारों तरफ से घेर लिया गया है! तुम बचकर भाग नहीं सकते!
सरेन्डर कर दो... हम दस तक गिनेंगे!
उसके बाद अपने अंजाम के तुम खुद जिम्मेदार होगे!
निखिल तुम जाओ! वर्ना ये लोग तुम्हे...
अभी मेरी बात पूरी नहीं हुई अदिती!
दस
नौ
ये फूल तुम्हारे लिए! अपनी हर उस गलती के लिए जिससे तुम्हे दुःख पहुंचा!
ये पागलपन है निखिल! तुम चले जाओ! सरेन्डर कर दो!
आठ
जानता हूं तुम्हें कई बार दुःख पहुंचाया है। पर पूरी दुनिया में तुम ही तो एक दोस्त हो मेरी!
सात
निखिल प्लीजा। ये आत्महत्या है। तुम जाओ वो लोग तुम्हें शूट कर देंगे।
छः
बचपन में जब भी लेट होता था तुम गुस्से में मुझसे कहा करती थी, मैं तुम्हारे घर नहीं आऊंगी कभी।
उस समय तो नहीं सोचा कि तुमसे कभी कुछ कहूंगा ऐसा।
निखिल तुम सुन क्यों नहीं रहे! मान जाओ निखिल!
पांच
चार

आज मैं पूछता हूं!
क्या तुम मेरे साथ रहोगी?
मेरे घर आओगी? हमेशा
हमेशा के लिए?
NIKHIL PLEASE! PLEASE NIKHIL! PLEASE! PLEASE! PLEASE!
I LOVE YOU ADITI!
दो

I LOVE YOU TOO NIKHIL! I LOVE YOU TOO!
एक

फायर

जिंगSSSS
जिंगSSSS
जिंगSSSS
NOOOo!

NO!
मैं तुझसे कभी बात नहीं करूंगी निखिल तू गंदा है। तू हमेशा लेट आता है!
सॉरी अदिती! माफ कर दे! आगे से लेट नहीं करूंगा। चल तुझे आइसक्रीम खिलाता हूं।
देख निखिल मैंने कितना अच्छा घर बनाया है।
हाहा! अच्छा इसमें रहेगा कौन?
तू और मैं।
मेरी नोट बुक के पन्ने किसने फाड़े? अदिती तू फिर मेरी नोट बुक के पन्ने खा गई।

निखिल!

पागल हो गई हो अदिती? ये क्या करने जा रही थीं?

वो...मेरा निखिल! वहां नीचे... ध्रुव! मार डाला मेरे निखिल को इन लोगों ने! वो... मार डाला! वो तो सरेन्डर करने वाला था ध्रुव फिर भी...
नहीं जीना मुझे भी! मर जाने दो! मुझे मेरे निखिल के पास जाने दो...

पागल मत बनो अदिती! तुम्हारे जान देने से निखिल वापस नहीं आ जाएगा। हिम्मत से काम लो!
ये लोग निखिल का खून कर के बच नहीं पाएंगे!
ये लोग बहुत ताकतवर हैं ध्रुव! मेरा निखिल बहुत हिम्मत वाला था! इन्होंने उसे भी तोड़ दिया!

क्या हुआ है यहां? निखिल कहां है ध्रुव?
निखिल मारा गया पापा।
WHAT! मारा गया? कैसे?
इन लोगों ने उसे मार दिया। हजारों गोलियां चलाई हैं।

बकवास! निखिल से सरेन्डर करने को कहा गया था! मगर सरेन्डर करने की जगह उसने हमारे जवानों पर हमला कर दिया! बचाव में हमें गोलियां चलानी पड़ीं।
ये झूठ बोल रहा है पापा!
ओह हां! एक बात बताना भूल गया! ध्रुव ने भी निखिल की मदद की! इसने भी हमारे जवानों पर हाथ उठाया। अब मजबूरन हमें इसे भी गिरफ्तार करना पड़ेगा।

मैं समझ गया राघवन! तुम मुझे जेल भेज कर पीछे से अपना मकसद पूरा करना चाहते हो। पर ऐसा हो नहीं पाएगा।
आजकल के बच्चे पता नहीं क्यों जिद्दी होते जा रहे हैं?
पर जिद्दी बच्चों को रास्ते पर लाना हमें आता है।
शुक्ला अरेस्ट ध्रुव!

आखिर राघवन अपनी चाल में कामयाब होने जा रहा है! पहले निखिल और अब मेरे भी...
गिरफ्तार होने के बाद राघवन को रोकने वाला कोई भी नहीं होगा।
नहीं! अभी नहीं! सच्चाई सभी के सामने आने तक कैद नहीं होना मुझे...।

भागना होगा।

रोको उसे!
स्टॉप फायरिंग।
तड़ तड़ तड़

तुमने बिना परमीशन ध्रुव पर गोलियां कैसे चलाईं?
हमारे पास उसका अरेस्ट WARRANT है।
ARREST WARRANT है SHOOT AT SITE के आर्डर्स नहीं। गोलियां चलानी भी थीं तो पैरों पर!
हमें किस तरह काम करना है ये हम बखूबी जानते हैं! वैसे भी गोलियां पैरों पर ही चलाई गई थीं!
NOW PLEASE EXCUSE ME, मुझे कुछ और काम भी निपटाने हैं! तब तक आप ध्रुव को पकड़िए।

अंततः सब सही हो गया! जंग खत्म! और जो हमें चाहिए था वो भी हमें मिल ही गया!
सब सही नहीं हुआ है सर!
क्या मतलब?
बम ट्रैस नहीं हो पा रहा है! इसका मतलब ट्रिगर अभी भी काम कर रहा है और ट्रिगर काम कर रहा है इसका सीधा सा मतलब है कि या तो निखिल जिंदा है या फिर उसने ट्रिगर किसी और को दे दिया है।

बकवास! निखिल जिंदा हो ही नहीं सकता! बुरी तरह गोलियों से छलनी हुआ था वो! खाई में गिरकर उसका बचना वैसे भी मुमकिन नहीं!
मतलब ट्रिगर किसी और के पास है।
कौन हो सकता है?
वो ट्रिगर किसी ऐसे बंदे को देगा जिस पर निखिल को पूरा भरोसा हो कि उसके पास वो सुरक्षित रहेगा!
राजनगर में ऐसा कौन है जिस पर निखिल...
ओ नो...

सुपर कमांडो ध्रुव!

मैं अपनी चौदह साल की मेहनत यूं ही बेकार नहीं जाने दे सकता वो भी दो बच्चों के कारण!
एक जीनियस को खत्म किया तो दूसरा जीनियस राह में रोड़ा बन कर खड़ा हो गया! क्या हमेशा कोई जीनियस चुनौती देता रहेगा मुझे?
नहीं ऐसे नहीं! कोई भी जीनियस राघवन का काम यूं खराब नहीं कर सकता इसका भी वही हाल होगा जो निखिल का हुआ।
अटेन्शन ऑल युनिट्स! सभी इलाकों की नाकेबंदी कर दी जाए! ध्रुव को हर हाल में गिरफ्तार किया जाए!
"ATTENTION BATTALION 82 ध्रुव के लिए शूट एट साइट के आर्डर्स हैं!"
"मुझे ध्रुव चाहिए।"
"...जिन्दा या मुर्दा।"
"I WANT HIM DEAD OR ALIVE!"
क्रमशः

अवशेष

ये सिर्फ शुरूआत है।

प्यारे दोस्तों,

जीनियस लेकर प्रस्तुत हूं। यह कहानी एक नये लेखक अभिषेक सागर द्वारा लिखी गयी है। राज कॉमिक्स प्रेमी अभिषेक की मुझसे जान-पहचान हुई राज कॉमिक्स वेबसाइट के जरिए जहां अभिषेक ने सुपर कमाण्डो ध्रुव की एक कहानी लिखी थी। फिर हमारी मुलाकात हुई नागराज जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित पार्टी में। अभिषेक ने मुझे अपने तीन आइडियाज सुनाए। मुझे तीनों ही आइडियाज बहुत पसंद आए। एक था **YTS**, एक **AXE.** एक और था जिसका आइडिया कुछ दिन बाद ही लॉंच हुई फिल्म गजनी से मिल रहा था। उसे ड्रॉप कर दिया गया। **YTS** का आइडिया डिस्कस हुआ। इसी बीच उसने मुझे जीनियस का आइडिया भी सुनाया जो मुझे बहुत पंसद आया। अभिषेक ने **YTS** से पहले जीनियस को लिखने का निर्णय लिया और एक लम्बी प्रक्रिया के बाद जीनियस लिखकर तैयार हो गई। अब अभिषेक को इंतजार था अपनी कहानी पर बनी कॉमिक्स देखने का जो कि एक लम्बे इंतजार के बाद अब उसके हाथों में पहुंचने में बस कुछ ही दिनों की दूरी पर है।आशा है आपको यह कॉमिक्स जरूर पसंद आएगी और यदि पंसद आए तो अभिषेक और इस कॉमिक्स के नये आर्टिस्ट सिद्धार्थ पंवार एंव इंकर संजीव को आप अवश्य ही बधाई दें। लेखक व आर्टिस्ट को सुझाव देने के लिए हमें पत्र अथवा राज कॉमिक्स वेबसाइट पर लिखें। आप इसके लिए ट्वीटर का उपयोग भी कर सकते हैं। अब अभिषेक सुपर कमाण्डो ध्रुव की आगामी कॉमिक्स **AXE** पर काम कर रहे हैं। उसके पश्चात वे **YTS** पर काम करेंगे।

अब कुछ बातें हो जाऐं **जीनियस** की कहानी के विषय में। राजनगर का रखवाला ध्रुव इस बार एक ऐसे क्राइम को सुलझाने में संलग्न हुआ जिसके पीछे एक मासूम का हाथ था। लेकिन यह मासूम अपराधी क्यों बना? क्या इसलिए क्योंकि वो एक **जीनियस** था। लेकिन हर **जीनियस** तो अपराधी नहीं बनता। अपने ध्रुव को ही ले लो। उससे जीनियस तो कोई नहीं, लेकिन वो तो अपराध विनाशक है। तो क्या राघवन है अपराधी जो कि जीनियस युवाओं के विरूद्ध दिखाई दे रहा है। कहानी का दूसरा पार्ट अवश्य पढ़ें यह जानने के लिए कि **BOMB** और **TRIGGER** का क्या भेद है। क्या देश की सीमाओं का रक्षक ब्रहमाण्ड रक्षक को पकड़ सका **DEAD OR ALIVE.** असके अलावा एक और राज कॉमिक्स प्रेमी दिलीप शुक्ला जो कि बेगंलौर में **IBM** में **WEB DESIGNER** की **JOB** पर कार्यरत हैं और ध्रुव की कहानी **OPEN SOURCE** लिख चुके हैं।

जिस पर **EDITING** चल रही है। यह कहानी भी आप तक जल्दी ही पहुंचेगी।ध्रुव अभी जारी रहेगा नागराज और ध्रुव की टू इन वन सीरीज **अवशेष** में जो कि आगामी सैट से शुरू हो रही है।

इसी सैट में प्रकाशित हुई है नरक नाशक नागराज, दनादन डोगा और क्रोधकेतु कोबी की कॉमिक्स **अभिशप्त**। कॉमिक्स 80 पेज की थी और कहानी भी उतने ही पेज की इसलिए **अभिशप्त** में ग्रीन पेज प्रकाशित नहीं हो पाया, जिसका मुझे खेद है। नरक नाशक नागराज, दनादन डोगा व क्रोधकेतु कोबी के बारे में मैं यह कहना चाहुंगा कि इन्हे इन किरदारों की करेंट सीरीज से जोड़कर ना देखें। इन किरदारों के यूनीवर्स अलग हैं। जिनके बारे में आपको आगामी कॉमिक्स में बताया जाएगा। **अभिशप्त** के पश्चात नरक नाशक नागराज का अगला कारनामा आप देखेंगे **आदमखोर** में।

दनादन डोगा की आगामी कॉमिक्स होगी चेहरा। अपराध विनाशक नागराज सुपर कमाण्डो ध्रुव के साथ आगामी सीरीज **अवशेष** में आ रहा है। अवशेष के पश्चात **नागराज है ना** को लाया जाएगा। आतंकहर्ता नागराज की आगामी सीरीज होगी जर्मनी सीरीज जिसकी पहली कॉमिक्स होगी **ORDER OF BABEL.**

कोबी की उदगम श्रंखला का द्वितिय भाग **शापित रक्षक** भी इसी सैट में प्रकाशित हुआ है। इसका आगामी व अंतिम भाग **आहुति** अगले ही सैट में प्रकाशित होगा।

इसी के साथ प्रकाशित हुई है बांकेलाल की **सोने की लीद** भी। आशा है आपको यह पूरा सैट पसंद आएगा। मुझे बहुत खुशी है कि राज कॉमिक्स प्रेमियों को **शिकाता गा नई** सैट बहुत पंसद आया। कृप्या हमेशा की तरह अपने सुझावों से हमारा मार्ग दर्शन करते रहें।

पूर्व सैट में हमने राज 20 की चार कॉमिक्स प्रकाशित की थीं। राज 20 की आगामी कॉमिक्स अगले सैट में प्रकाशित की जा रही हैं किन्तु उनका रुप थोड़ा बदल दिया गया है। अब हम हर किरदार की दो-दो कॉमिक्स एक साथ जोड़ कर प्रकाशित कर रहे हैं। जिसके कारण अब यह कॉमिक्स 20 की जगह 40 पेजिस की होंगी। मैं उन सभी राज कॉमिक्स प्रेमियों से अनुरोध करता हूं जिन्हें राज कॉमिक्स अपने एरिया में आसानी से उपलब्ध नहीं हो रही हैं। वे कृप्या राज कॉमिक्स वेबसाइट के ऑन लाइन स्टोर से कॉमिक्स खरीदें। पिछले दो-तीन वर्षों में राज कॉमिक्स ऑन लाइन स्टोर ने अपनी कार्यक्षमताओं में बहुत सुधार व विकास किया है जिसके परिणाम स्वरूप आज राज कॉमिक्स ऑन लाइन स्टोर के 10,000 से भी ज्यादा संतुष्ट ग्राहक हैं। सुविधाओं के अलावा आपको राज कॉमिक्स ऑन लाइन स्टोर पर निरंतर कई डिस्काऊंट स्कीम्स भी दी जा रही हैं।

अब विराम लेता हूं मिलूंगा **अवशेष** में।

पूर्व ग्रीन पेज पर हमने राज कॉमिक्स लोगो कांटेस्ट का परिणाम छापा था जिसमें विजेता रहे सुशांत मित्तल की फोटो अनुपलब्ध होने के कारण हम प्रकाशित नहीं कर पाए थे। सधन्यवाद हम उनका फोटो अब इस ग्रीन पेज/स्टार पेज में प्रकाशित कर रहे हैं। **पाइरेसी को किसी भी कीमत पर हटाऐं और राज कॉमिक्स को मजूबत बनाऐं। राज कॉमिक्स खरीद कर ही पढें। पाइरेसी में कोई शान नहीं।**

अपने पत्र हमें आप इस पते पर भेजें: ग्रीन पेज नं. 306, राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84. FORUM पर अपनी पोस्ट आप WWW.RAJCOMICS.COM पर करें।

धन्यवाद
आपका संजय गुप्ता
ग्रीन पेज नः- 306

सुशांत मित्तल

राज रजत वर्ष लोगो

अब आप अपनी पसंद की केवल एक कॉमिक भी घर बैठे मंगा सकते हैं!

ध्रुव की किसी भी एक कॉमिक्स का ऑर्डर कॉमिक की कीमत व डाक खर्चे के साथ हमें भेजिए और वह कॉमिक्स अपने घर बैठे पाइए।

ध्रुव के 15/- मूल्य वाले कॉमिक

- प्रतिशोध की ज्वाला
- रोमन हत्यारा
- आदमखोरों का स्वर्ग
- स्वर्ग की तबाही
- मौत का ओलम्पिक
- समुद्र का शैतान
- बर्फ की चिता
- रूहों का शिकंजा
- लहू के प्यासे
- महामानव
- वूडू
- मुझे मौत चाहिए
- बहरी मौत
- उड़नतश्तरी के बंधक
- एक दिन की मौत
- विनाश के वृक्ष
- चैम्पियन किलर
- आखिरी दांव
- वीडियो विलेन
- पागल कातिलों की टोली
- ब्लैक कैट
- रोबो का प्रतिशोध
- दलदल
- उड़ती मौत
- चण्डकाल की वापसी

ध्रुव के 30/- मूल्य वाले कॉमिक

- नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
- नागराज और बुगाकू
- ग्रेण्ड मास्टर रोबो
- आवाज की तबाही
- खूनी खिलौने
- किरीगी का कहर
- चुम्बा का चक्रव्यूह
- डॉक्टर वायरस
- सामरी की ज्वाला
- आत्मा के चोर
- वैम्पायर
- सुप्रीमा
- मैंने मारा ध्रुव को
- हत्यारा कौन
- सर्कस
- हत्यारी राशियां
- मौत के चेहरे
- कमांडर नताशा
- सजा ए मौत
- अंधी मौत
- षड्यंत्र
- महाकाल
- खूनी खानदान
- अतीत
- जिग्सा
- ध्रुव-शक्ति
- जंग
- दुश्मन
- क्विज मास्टर
- ममी का कहर
- कमांडो फोर्स
- बौना वामन
- कालध्वनि
- शह और मात
- आया चुम्बा
- चुम्बा सम्राट
- ध्रुव हत्यारा है
- शहंशाह
- शैतान
- ध्रुव खत्म
- अंत
- दूसरा ध्रुव
- डिजिटल
- मास्टर ब्लास्टर
- रोबॉट
- सुपर कमांडो ध्रुव
- सुपर हीरो
- फरिश्ता
- रॉबिन हुड
- चैलेंज
- मैं समय हूं
- भूचाल
- मैच
- स्पाइडर
- वेबसाइट
- वर्ड वाइड वेब

ध्रुव के 40/- मूल्य वाले कॉमिक

- राजनगर की तबाही
- कोहराम
- जलजला
- संग्राम
- परकाले
- संहार
- ड्रैकुला का अंत
- कोलाहल
- खलनायक
- सम्राट
- विनाश
- तानाशाह
- कलियुग
- सौडांगी
- चक्र
- निशाचर
- मैड्यूसा
- वर्तमान
- फ्लेमिना
- गुप्त
- फास्ट फॉरवर्ड
- ध्रुविष्य
- आखिरी ध्रुव
- सुपर मैन
- स्टेच्यू
- गेम ओवर

ध्रुव के 50/- मूल्य वाले कॉमिक

- विध्वंस
- सर्वशक्तिमान
- सर्वनाश
- वरण काण्ड
- ग्रहण काण्ड
- हरण काण्ड
- शरण काण्ड
- दहन काण्ड
- रण काण्ड
- समर काण्ड

ध्रुव के 100/- मूल्य वाले कॉमिक

- इति काण्ड

Now you can order all your favorite comics from our online book store www.rajcomics.com

इसी सैट के कॉमिक

- अभिशप्त (नागराज, डोगा व कोबी भेड़िया का विशेषांक) (मूल्य : 50/-)
- जीनियस (ध्रुव का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- शापित रक्षक (कोबी और भेड़िया का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- सोने की लीद (बांकेलाल का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)

1. आप अपनी मन पसंद की कॉमिके हमारे On Line Store www.rajcomics.com से अथवा हमसे सीधे डाक द्वारा Order भेजकर मंगा सकते हैं।
2. Online Order देने की प्रकिया बहुत ही सरल है Site में Login करने के बाद आप Store में Enter करके अपना Order दे सकते हैं व पेमेंट करने के बहुत से विकल्पों में से एक चुन सकते हैं। Online Orders पर डिस्काउंट भी दिया जाता है लेकिन डाक खर्च आपको देना होता है।
3. डाक द्वारा कॉमिके मंगाने के लिये आदेशित कॉमिकों के मूल्य का मनीआर्डर "राजा पाकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84" के नाम अथवा किसी भी बैंक से राजा पॉकेट बुक्स के नाम Payable at Delhi का ड्राफ्ट बनाकर भेज सकते हैं। डॉक द्वारा Order देकर कॉमिके मंगाने पर आपको डिस्काउंट नहीं मिलेगा लेकिन डाक खर्च हम वहन करेंगे।

आगामी सैट के कॉमिक

- अवशेष (नागराज व ध्रुव का विशेषांक) (मूल्य : 50/-)
- 8:36 (डोगा का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- आहूति (कोबी और भेड़िया का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- शुभ मंगल सावधान (बांकेलाल का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- कोबराक (विसर्पी की कॉमिक) (मूल्य : 40/-)
- श्राप (सौडांगी की कॉमिक) (मूल्य : 40/-)
- परम विष्या (कालदूत की कॉमिक) (मूल्य : 40/-)
- पराजय (पंचनाग की कॉमिक) (मूल्य : 40/-)

प्रकाशकः राज कॉमिक्स (राजा पॉकेट बुक्स की एक इकाई)
330/1, बुराड़ी, दिल्ली-110084
फोनः 27611410 email:bizdev@rajcomics.com

दिल्ली में वितरक : नागराज नावल्टीज, 112, फर्स्ट फ्लोर, दरीबा कलां, दिल्ली-110006. फोनः 23251109, 23251092, 65172310, 32500860

राजनगर पुलिस और देश की मिलिट्री
सुपर कमाण्डो ध्रुव को ढूंढ रही है...
राज रजतवर्ष
NEELAM 2010
AMIT...
Devayu
डेड और अलाइव

चेहरा जो कभी बन जाता है विश्वास, तो कभी देता है धोखा...
राज रजत वर्ष
चेहरा
एक हथियार
Hemant
Jagdish
Govind
राज कॉमिक्स में पढ़िए दनादन डोगा का एक शानदार कॉमिक विशेषांक!

ADVENTURE IN GERMANY